
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
ARJUN BATCH
कक्षा-12
इतिहास
अध्याय-1 | भाग-4
ईंट मनके तथा अस्थियां
हड़प्पा सभ्यता-एकदम BASIC से!

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मोहनजोदड़ो

दुर्ग + निचला शहर

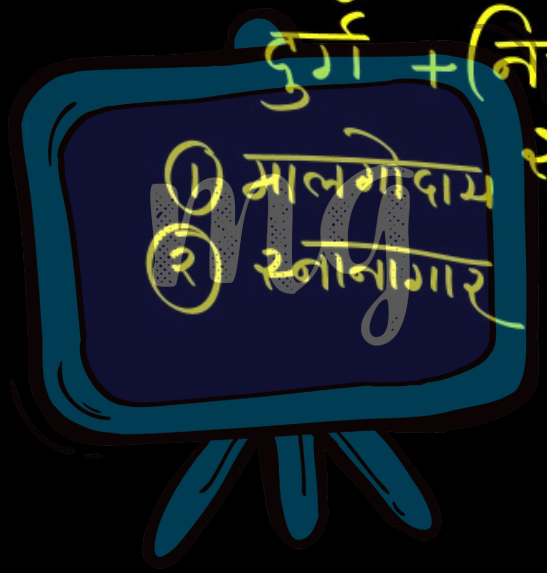


mg


अमीर v/s गरीब
mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?

1. सामाजिक भिन्नताओं का अवलोकन
2. शिल्प कार्य – मनकें बनाना
3. उत्पादन केन्द्रों की पहचान
4. माल प्राप्त करने संबंधी नीतियाँ (तरीके)
5. उपमहाद्वीप तथा उसके आगे से आने वाला माल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

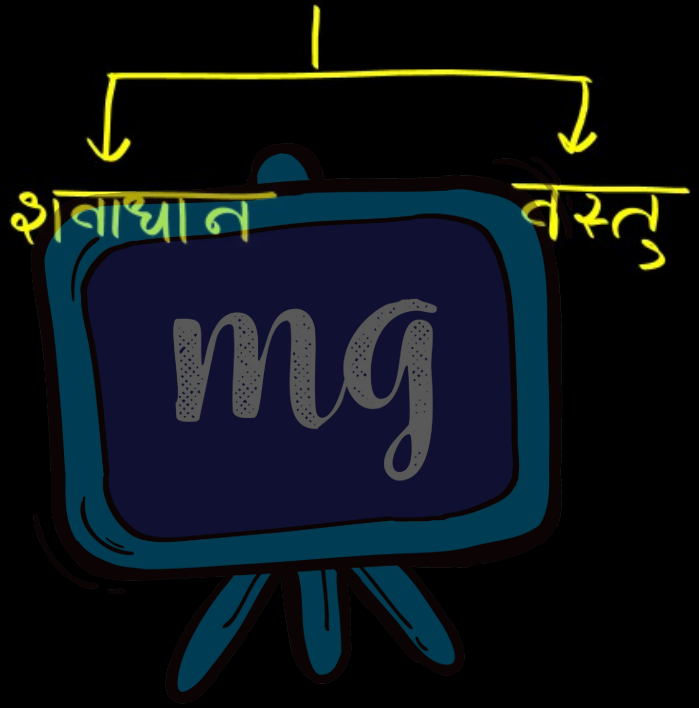

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

सामाजिक भिन्नताओं का अवलोकन

A. शवाधानों का अध्ययन

(1) शवाधान : शवों का गर्तों में दफनाया जाता था।

- गर्तों की बनावट एक दूसरे से भिन्न होती थी। क्योंकि कुछ गर्तों की सतहों पर ईंटों की चिनाई की जाती थी जो कि सामाजिक भिन्नता का संकेत देती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- कुछ कब्रों में मृदभाण्ड तथा आभूषण मिले हैं जो संकेत देते हैं कि उनकी मान्यता रही हो कि ये मृत्योपरांत प्रयोग किये जा सकते हैं।
- कुछ शवाधानों में पुरुषों एवं महिलाओं दोनों में आभूषण मिले हैं।
- मृतकों के तांबे के दर्पणों के साथ भी दफनाया जाता था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- 1980 के दशक में हड़प्पा के कब्रिस्तान में उत्खनन में एक पुरुष की खोपड़ी के समीप शंख के उछल्ले, जैस्पर (एक उपरत्न), मनके, सूक्ष्य मनकों से बना एक आभूषण मिला है।
- मिश्र में भी विशाल पिरामिडों में जो कि हड़प्पा सभ्यता के समकालीन थे राजकीय शवाधान बड़ी मात्रा में मिले हैं। जिनमें धन-सम्पत्ति भी दफनाई जाती थी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

B. उपयोगी तथा विलास की वस्तुओं में वर्गीकरण

(a) उपयोगी वस्तुएं :– ये रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुएं हैं जो पत्थर या मिट्टी से बनायी जाती है।
जैसे- चक्कियां, मृदभाण्ड, सुइयां आदि। ये वस्तुएं सभी बस्तियों में सर्वत्र पायी गयी हैं।

(b) विलास की वस्तुएं :– ये दुर्लभ या महंगी होती हैं। ये स्थानीय स्तर पर अनुपलब्ध पदार्थ से अथवा जटिल तकनीक से बनती हैं।

फ्रेंच



Q. हड़प्पा सभ्यता के सामाजिक भिन्नता का अवलोकन करें?



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

शहरीय

→ गैर कृषि

शिल्प कार्य

- मनके बनाना
- शंख की कटाई
- धातुकर्म
- बांट बनाना







RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

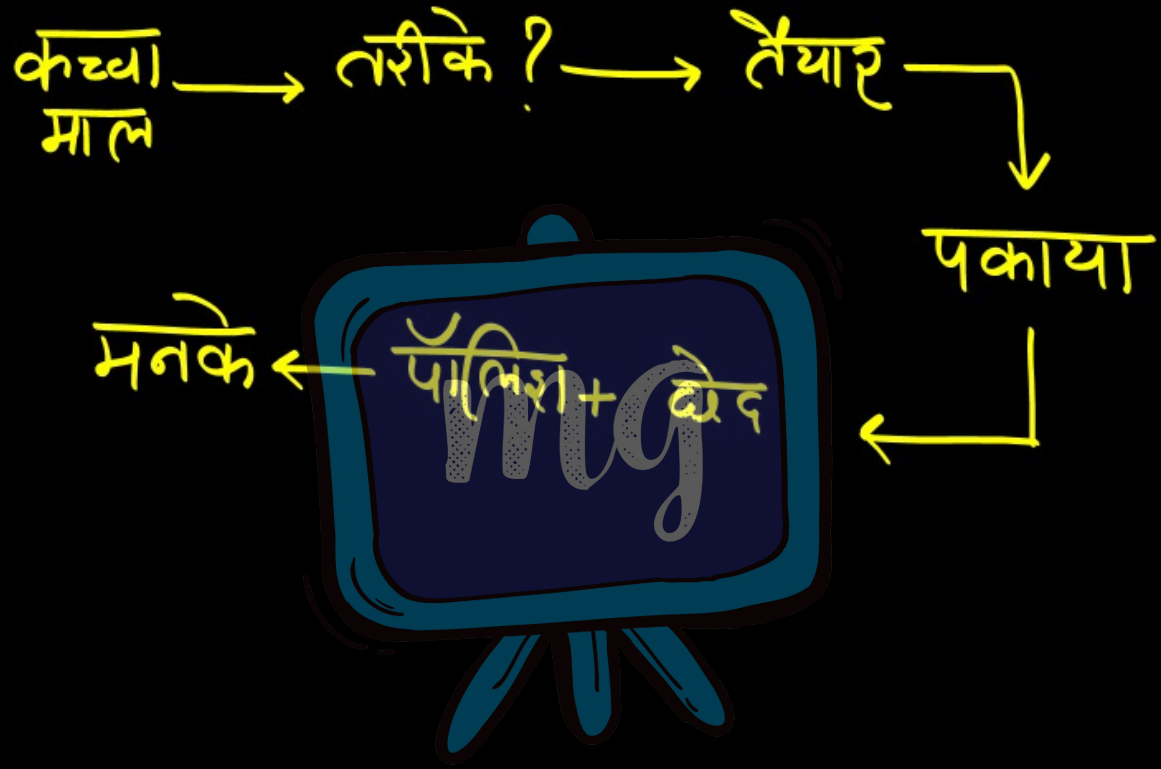

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. **मनकें बनाना :** मनकों का निर्माण विविध पदार्थों से होता था।
   - कार्निलियन (सुंदर लाल रंग का)
   - जेस्पर
   - स्फटिक
   - शैलखड़ी जैसे पत्थरों से तथा (मुलायम)
   - तांबा
   - कांसा
   - सोना जैसे धातुओं से

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- शंख
- फयान्स
- पकी मिट्टी से भी मनके बनते थे।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

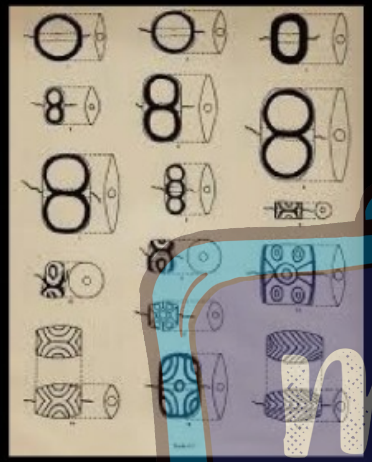

मनके कई आकार के होते थे

1. चक्राकार
2. बेलनाकार
3. गोलाकार
4. ढोलाकार
5. खण्डित

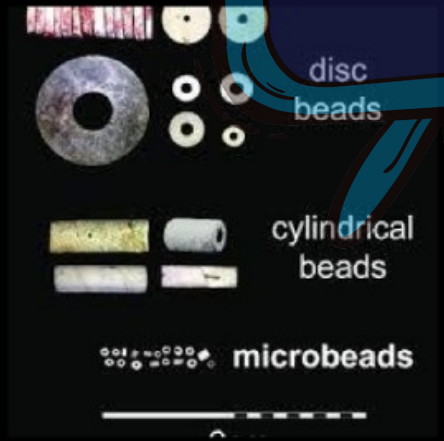





RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- मनकों को उत्कीर्णन या चित्रकारी से सजाया गया।
- सेलखड़ी चूर्ण के लेप को सांचे में ढालकर मनके बनाए जाते थे।
- कार्निलियन का लाल रंग पीले कच्चे माल को पकाकर प्राप्त होता था।
- पत्थर के पिंड पहले तोड़े जाते, फिर बारीकी से शल्क निकालकर अंतिम रुप दिया जाता था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





- इसके बाद घिसाई, पॉलिश और छेद करने की प्रक्रिया होती थी।
- चन्हूदड़ो शिल्प कार्य में लगभग पूरी तरह संलग्न था।
- चन्हूदड़ो, लोथल और धौलावीरा में छेद करने के विशेष उपकरण मिले हैं।

कारखाना

mg

Q. मनके बनाने प्रक्रिया समझाइए?
Q. हड़प्पा स० में कौनसा स्थल मनके बनाने की प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण था?

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. शंख से बनी वस्तुएँ : शंख से चूड़ियां, करछियां और पच्चीकारी की वस्तुएं बनती थीं।

- नागेश्वर और बालाकोट, समुद्र तट के पास होने के कारण, शंख निर्माण के प्रमुख केंद्र थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

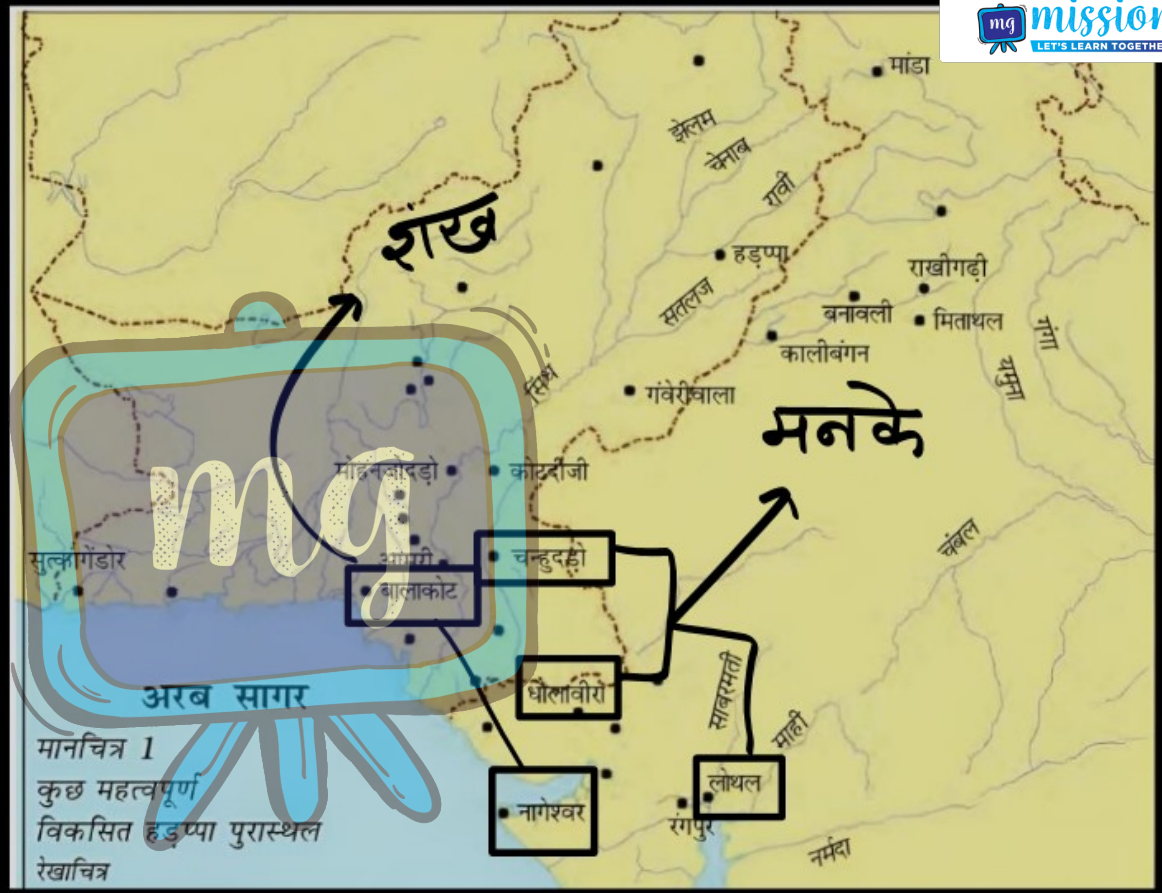

मानचित्र 1
कुछ महत्वपूर्ण
विकसित हड़प्पा पुरास्थल
रेखाचित्र

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

बालाकोट ? चान्दडूगडो ?

Q उत्पादन केन्द्रों की पहचान कैसे होती है?

शिल्प उत्पादन के केन्द्रों की पहचान पुरातत्वविद् कुछ चीजों को ढूंढकर करते हैं। जैसे-

(i) जहां पर प्रस्तर पिंड, पूरे शंख, तांबा अयस्क जैसा कच्चा माल मिला हो।

(ii) औजार मिले हों।

(iii) अपूर्ण वस्तुऐं हों।

(iv) त्याग दिया गया माल और कूड़ा करकट मिला हो।

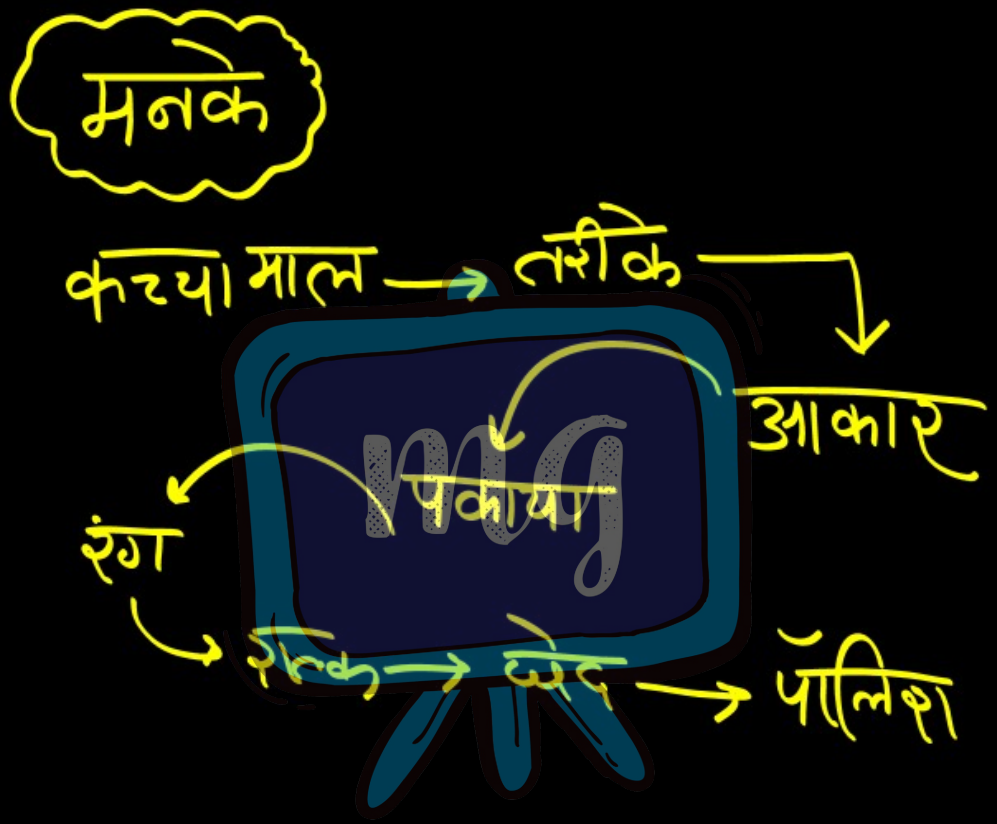
मनके
कच्चा माल
तरीके
आकार
पकाया
रंग
शेक
छेद
पॉलिश

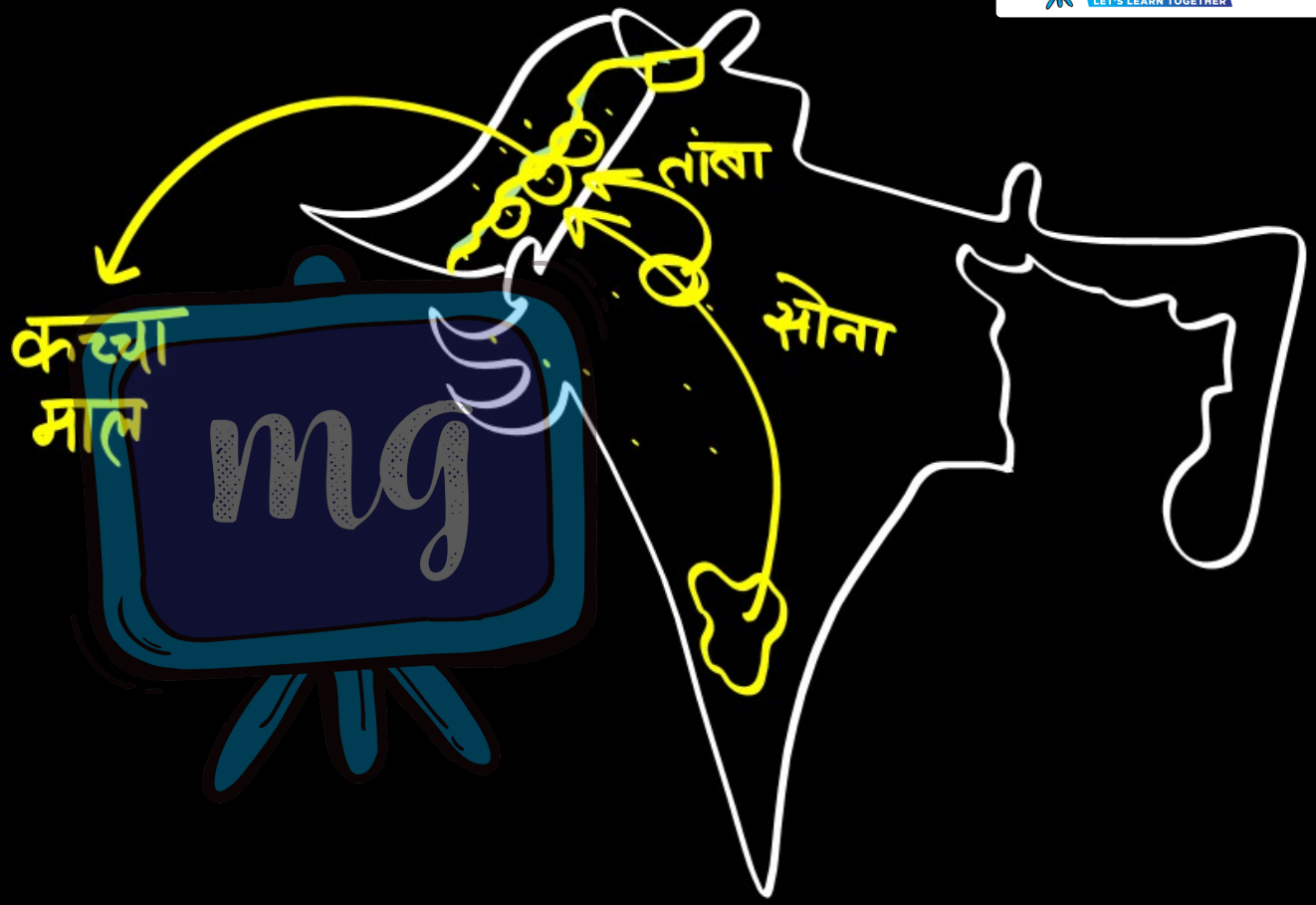
कच्चा माल
तांबा
सोना

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

माल प्राप्त करने संबंधी नीतियाँ (तरीके)

- शिल्प उत्पादन के लिए स्थानीय मिट्टी के अलावा पत्थर, लकड़ी और धातु बाहर से मंगाए जाते थे।

(i) बैलगाड़ियों के मिट्टी के प्रतिरूप मिले हैं, जो स्थल मार्ग के लिए बैलगाड़ी को परिवहन का महत्वपूर्ण साधन दर्शाते हैं।

(ii) सिंधु तथा इसकी उपनदियों के किनारे पर रहने वाले लोग नदी मार्गों का प्रयोग करते होंगे।